Living the LOTUS
Buddhism in Everyday Life
1
2017
VOL. 136

FOUNDER'S ESSAY

व्यक्ति जो सदा दूसरों का आदर सत्कार करता है

जब बौद्ध धर्म लोगों का दूसरा स्वभाव बन जाता है, उसका पालन स्वत: ही औपचारिक हो जाता है। यद्यपि बाहर से प्रभावित करता है, लेकिन चीजें दिल दिमाग से नहीं निलती हैं ।

हलाँकि हथेलियों को एक साथ जोड़ना, दूसरों के प्रति आदरभाव प्रकट करने का संकेत है । यदि आप उनके प्रति नकारात्मक विचार रखकर ऐसा करते हैं, जैसाकि सोचते हैं, यह आदमी गले का खरास है जो कुछ भी कहा जाय उनका खण्डन करेगा और आपके सामने हृदय नहीं खोलेगा।

पुण्डरीकसूत्र में बोधिसत्त्व सदाअपरिभूत की कहानी वर्णित है । बोधिसत्त्व सदाअपरिभूत जिस किसी से भी मिलते, वे उसके प्रति सदा आदरभाव प्रकट करते हैं, मन में कोई भावना नहीं, केवल एकमात्र दृढ़ विचार: "इस आदमी में बुद्ध स्वभाव है, अत: वह अवश्य बुद्ध बनेगा।"

यही कारण है कि जब कभी लोग उन पर कंकड़ पत्थर फेंकते और डण्डे से प्रहार करते हैं , सदाअपरिभूत का आदरभाव दर्शाना यह कहते हुए चालू रहता है- "कोई बात ही, तुम सब मेरे साथ जो भी व्यवहार करो, मुझे तुम्हारी क्षमता में विश्वास है, कोई दुविधा नहीं है क्योंकि तुम ऐसे व्यक्ति हो जिसका बुद्ध बनना नियत है।" लोग जो कुछ भी वेतुकी बातें उनसे कहता, वे उसकी परवाह नहीं करते थे । जैसा कि नाम से स्पषट है, उनके कण कण से लोगों के प्रति आदरभाव निकलता था।

जब लोग बोधिसत्त्व सदाअपरिभूत के समान किसी से मिलते हैं वे अचंभित और हक्का- बक्का हुए वगैर नहीं रह सकते हैं, क्योंकि मुठभेड़ से निर्दोष, शुद्ध मन का उद्गार निकलता है जो हृदय के अन्त: करण में निष्क्रिय है।

काइसोज्युइकान 9 (कोसेइ प्रकाशन कंपनी) से, पीपी 132-133

Living the Lotus
Vol. 136 (January 2017)

Published by Rissho Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है । इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य सस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

"लिविंग द लोटस्: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

GUIDANCE BY PRESIDENT NIWANO

दृढ़ एवं सरल तरीका

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

प्रकृति से सीखो

यह अक्सर कहा जाता है कि आने वाले वर्ष के लिए योजना बनाना नव वर्ष के दिन शुरू होता है। यदि आप नये वर्ष का प्रारंभ पूर्वानुमान से करते हैं कि आपका यह नया वर्ष किस तरह का होगा, तब आप उस पूर्वानुमान से बन्धा अनुभव करते हैं और नये वर्ष में नयी शुरुआत के लिए तैयारी करते हैं।

संयोग से, भले ही आप नये वर्ष के दिन महत्त्वपूर्ण संकल्प लेते है, परन्तु कुछ ही दिनों के बाद आप प्राय: उत्सव की गतिविधियों की हलचल में संकल्पों को भूल जाते हैं।

यह हो सकता है क्योंकि आपक। मन परिणाम को महत्व देता है, बनिस्पत कि सतत प्रयत्न में लगे रहने को, क्योंकि आपका मन मुक्त नहीं है और आप नयी चुनौतियों का सामना करने को तैयार नहीं है।

जैसाकि हिक्कोत्सु हिरोनाका की इस हाइकू कविता में हमें दिखलाया गया है: नव वर्ष के दिन भी / वर्फ अवश्य ही साफ हो जाय//

मेरे विचार में मुझे इस समय क्या चाहिए,वह है मन की शान्ति सुव्यवस्थित दशा में पुनर्भव, जो उचित मार्ग ले सके, वह करे जो अवश्य करना चाहिए, परिस्थिति का वगैर सोचे ही, समय का दबाव महसूस किये विना ही, अपने को दौड़ने में लगा दे, क्षमता और परिणाम लक्ष्य को पाने के लिए है, हम व्यवहार में अटल रहें, वैसा करने में दिखावा नहीं, दया एवं देखभाल से युक्त जीवन शैली हो। इनमें ही सच्चा सुख है।

कोई बात नहीं हम क्या कर रहे हैं। यदि हम नहीं तो दौड़ में हैं और नहीं तो समय नष्ट कर रहे हैं बल्कि हम सुव्यवस्थित ढंग से अपने कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। इसमें ही हमारे मानवीय गुणों का विकास है।

शुन इवासाकी की कविता, "धीरे, धीरे, तेंदु सूखकर आबनूस बन जाता है" हमें प्रकृति की घटना को जीवन की क्रिया से जोड़कर हमें सोचने के लिए प्रेरित करता है।

सही मायने में परिपक्व मानव भावनाएँ सुदृढ़ दैनिक कार्यक्रम के माध्यम से विकसित होती हैं जिनमें छोटी छोटी बिन्दुओं की उपेक्षा नहीं होती है।

मन में जनवरी को ध्यान में रखकर मैं नाजुक अमूर अदोनिस फूलों के बारे में सोचता हूँ जिसका व्यवहार जापान में नव वर्ष की सजावट में होता है। इस निबंध में मैंने कुछ कविताओं को उद्धृत किया है तथा यहाँ एक और अमूर अदोनिस संबन्धी कविता को उद्घृत कर रहा हूँ: "जब स्वर्ग एवं पृथ्वी मिलते हैं, अमूर (खाबरोवस्क) अदोनिस का एक फूल खिलता है, फूल खिलेंगे, कोई बात नहीं कितने ही युग बीतते चले जाँय।" निनोमिया

सोनतोकु (1787-1856) की यह कविता दिखाता है कि प्रकृति समय के गुजरने का संकेत मात्र है, सामन्जस्य में सत्य की क्रिया फलीभूत होती है, फूल स्वत:ही खिलता है। इसमें हम सब के लिए एक सबक है जो सुदृढ़ एवं सरल जीवन पद्धति के महत्त्व को दर्शाता है।

अपनी आकांक्षा को पल्लवित करना

सफलता या विफलता से अविचलित रहकर,हम देख सकते हैं कि हम से जो अपेक्षित है उसे शान्त एवं अप्रभावित भाव से करना चाहिए। यदि हम अपने जीवन का संचालन इस तरह से कर सकते हैं, तो कर सकते हैं, तो हमारा मन प्रशांत हो जाएगा और हम मनुष्य के रूप में स्वयं को बेहतर करने की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हम उसे करना बहुत मुश्किल पाते हैं जिस पर हमारा मन टीका हुआ है। तथ्य यह है कि हम अपना जीवन यापन सुदृढ़ एवं सरल ढंग से करना चाहते हैं। हम शाक्यमुनि को इसके लिए एक मॉडल मान सकते है। परन्तु यह हमें इस निष्कर्ष की ओर ले जाता है कि केवल वे लोग जो असाधारण प्रतिभा और क्षमताओं के धनी हैं हमारा नेतृत्व कर सकते हैं।

जब ज़ेन गुरु दोगेन (1200-1253) से पूछा गया कि बुद्ध मार्ग का पालन करने में क्या महत्वपूर्ण है, तो उन्होंने कहा, बुद्ध मार्ग का अध्ययन करने के क्रम में किसी विशेष प्रतिभा की आवश्यकता नहीं है। जब आप अपनी आकांक्षा को विस्तार देते हैं और अपनी ग्राह्य क्षमता के अनुसार मार्ग के संबन्ध सीखने का प्रयास करते हैं, आप निश्चित ही बुद्ध धर्म को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।"दोगेन ने हमें याद दिलाया है कि इसके लिए आकांक्षामें पूर्ण गंभीरता का होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यह महत्वपूर्ण है कि आप लगातार और बारम्बार मार्ग पर चलते रहने की भावना को बनाए रखते हैं। यद्यपि एक कार्य या किसी दूसरे कार्य को करने के संकल्प में पूर्ण दृढ़ता नहीं है तो आप शायद बहुत लंबे समय के लिए आकांक्षा को अक्षुण नहीं रख सकते हैं।

एक अलग परिपेक्ष्य से, जब आप अपनी आकांक्षा का पीछा करते हैं और उन सभी चीजों पर जो आँखों के सामने हैं, आप पूरा ध्यान रखते हैं, भले ही प्रगति धीमी गति हो आप निश्चित रूप से परिणाम प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, अगर आप आपनी आकांक्षा का विकास करतेहैं, आपको अपने खुले दिमाग का अनुभव होगा और आप खुशी एवं गम के बीच इधर उधर डोलते नहीं रहेंगे,जो एक शांत,सरल शैली का जीवन यापन में मदद मिलेगा।

हालांकि, आकांक्षा के आधार पर अभ्यास में,व्यक्ति व्यक्ति में अन्तर होता है, अपनी ग्राह्य क्षमता के अपने अभ्यास का निर्णय लेना अवश्य ही उपयुक्त है।

उदाहरण के लिए, मन की संतुष्टि पाने के लिए, सड़क के किनारे पड़े कूड़े को उठा लेने की आदत यथेष्ठ है, या उन तीन आधारभूत प्रथाओं का पालन करना है,मैं जिनका उल्लेख प्राय: करता हूँ-- सुबह में अन्य लोगों को शुभ प्रभात कहना, किसी के अनुरोध या पूछताछ का सकारात्मक उत्तर देना, तथा स्वच्छता और देखभाल के साथ निजी संपत्ति को रखना। यह आस्था के दृढ़ पालन का एक अर्थ है जब आप अपने निकटस्थ चीजों की देखभाल अथक रहकर करते हैं और उनके प्रति संभवत: रूप में विवेकशील हैं।

साथ में, प्रत्येक दिन का सबसे अच्छा सदुपयोग करें। जबकि वर्ष का अन्त हो रहा है, हम संतुष्टि और खुशी से भरे वर्ष का आनन्द लेंगे।

From *Kosei*, January 2017

Child Care lifeline

मैं निश्चय नहीं कर पा रहा हूँ कि कैसे मैं अपने बच्चे को मृत्यु संबन्धी प्रश्न का उत्तर दूँ ?

Q प्रश्न: हाल फिलहाल में, विश्व में अनेक हिंसक घटनायें घटी हैं । मेरी दस वर्षीया बेटी चतुर्थ कक्षा की छात्रा है । वह मुझसे बहुत सारे प्रश्न करती है, जैसेकि " मृत्यूपरान्त क्या होता है ?" या " क्यों कोई आदमी किसी और की हत्या कर देता है ?" उसके मन में प्रश्न संभवत: उन घटनाओं के संबन्ध विद्यालय में या टीवी में समाचार सुनकर उठते हैं । मैं सदा उससे कहता हूँ, " बच्चों को इनके संबन्ध चिन्ता नहीं करनी चाहिए ।" परन्तु मैं इस संबन्ध उससे क्या कहूँ ?

A यह माता पिता और बच्चे के लिए जीवन और मौत के संबन्ध में बात करने का एक अच्छा अवसर हो सकता है। कृपया इस महा सुअवसर को जाने नहीं दें । यह कहना बेहतर होगा, " तुम कुछ समझ की बातें कहो ! किसी का मरना क्या है ? क्यों लोग दूसरे की हत्या कर देते हैं ? हम इन चीजों के बारे में एक साथ सोचते हैं ।"

इन प्रश्नों के ठीक ठीक उत्तर के विषय बातें करना कठिन है । इन प्रश्नों को छोड़कर, जब आपकी बेटी पैदा हुई थी, अपने उस आनन्द के संबन्ध तथा एक साथ रहने की अपनी खुशी के बारे में बातें करने का सोचें । अपने किसी नजदीकी के गुजर जाने के दु:ख के विषय में बातें कर सकते हैं, या अपने पूर्वजों के विषय, जो परिवार पर नज़र रख रहें हैं, बातें कर सकते हैं ।

सबसे महत्वपूर्ण बात मुझे लगता है कि हम इस अवसर का लाभ उठाकर कुछ संदेशों का संप्रेषण करें जैसेकि "जीवन अनमोल है," "अपने वर्तमान जीवन के लिए आभार प्रकट करना," और "कितना अपनी पुत्री से प्यार करते हैं ?" इन चीजों के संबन्ध अपनी पुत्री को बतलाने से उसे समझने में मदद मिलेगी कि, किसी का भी जीवन अमूल्य है इसके अलावा, यह बेहतर होगा यदि आप कहें, "क्योंकि जीवन अनमोल है, इसलिए प्रत्येक दिन जितना अधिक संभव है मित्रों के साथ संपर्क में रहो और उनके प्रति सहृदय बने रहो" और "जो दूसरे लोगों की मदद करते हैं, यह महत्त्वपूर्ण है ।" इस तरह अपने पुत्री से लोगों के बीच दिल दिमाग से सामंजस्य बनाने एवं समाज सेवा की बात करें ।

संभवत: आप छुटियों में अवसर मिलने पर अपने पूर्वजों के कब्र पर जाते हैं, या नये वर्ष में प्रथम वार श्राइन या मंदिर में जाते हैं, तब कैसा रहेगा यदि आप अपनी पुत्री से कुछ ऐसा कहें, "यद्यपि अदृश्य है, हमारे पूर्वज एवं बुद्ध हमारे परिवार को संरक्षण दे रहे हैं ।" बच्चों का अदृश्य की कल्पना से अचम्भित होना महत्त्वपूर्ण है । मेरे विचार में, इन चीजों के संबन्ध बच्चों से बातें करना माता पिता का कर्तव्य है।

Point जीवन के अमूल्य होने के बारे में बातें करना

जो बातें लोगों के दिल दिमाग को छूती हैं वे उनके साथ रहती हैं । आप और आपकी पुत्री के बीच उसके बचपन में जो बातचीत होती है, वह उसके युवा अवस्था में अनायास ही याद आयेगी और उसके आध्यात्मिक जीवन का आधार बनेगी । कृपया पुत्री के साथ जीवन के अमूल्य होने तथा उसके पैदा होने से मिली खुशी के संबन्ध में दिल से बातचीत करें ।

(टोक्यो अनुसंधान संस्थान के परिवार शिक्षा द्वारा प्रदान उत्तर)

The Tokyo Research Institute for Family Education इस आधार पर काम करता है कि "यदि माता पिता बदल सकते हैं तो बच्चों में भी परिवर्तन आयेगा ।"हम विभिन्न स्थानों में प्रेजेंकशन देते हैं और संबन्धित माता पिता को अपनी सलाह देते हैं ।"
"Family education from their children" कार्यक्रम में हमारी मदद से अनेक हँसते खेलते परिवार निकल आये ।

जीवन के चमत्कार

आपकी की पुत्री कुछ अद्भुत प्रश्न करती है ,क्या वह नहीं ? जब आपकी पुत्री के मन में ऐसे प्रश्न आते हैं ,यह उसके सीखने और विकास करने का सबसे उत्तम अवसर है। वही समय है माता पिता के बहुमूल्य होने के बोध का बहुत ही महत्त्वपूर्ण समय है।

जैसाकि प्रेसिडेण्ट निवानो ने अपनी पुस्तक "Opening the Mind's Eye / मनकी आँखों को खोलना" पृ0 93-94 में हमें सिखाया गया है: श्री कात्सुहिको सातो, पेन्टर, द्वारा रचित निम्नलिखित कविता में व्यक्त है:

कितना अजीब,कैसा अद्भुत ! मैं यहाँ जीवित हूँ, श्वास लेता हूँ हाथ हिलाता, सोचता, रोता और हँसता हूँ कितना चमत्कारिक जीवन,यह मुझे मिला है।

(Katsuhiko Sato, *Katsuhiko Iroha Uta--Raku ni Naro ya* [Katsuhiko's Collection of Poems: Taking things easy])..

"यह सोचने के लिए आओ ,जीवन जिस तरह जी रहे हैं ,वास्तव मे आश्चर्यों से भरा है। हमारे माता पिता ने हमारा जीवन दिया है। फिर भी, हम न केवल माता पिता के योग से इस लोक में जन्म लिया है बल्कि विश्व की उस अदृश्य महा जीवनदायी शक्ति से है। जब हम मात्र इस तथ्य पर विचार करते हैं, यह मेरा निष्कर्ष है कि यह स्वयं में परम चमत्कारिक है। मुझे लगता है कि हमारे लिए यह मत्त्वपूर्ण है कि हम किसी चमत्कारिक की ओर देखें या किसी वैसे जिसके प्रति प्रतिदिन अपनी कृतज्ञता ज्ञापन कर सकूँ और उन चीजों को दुहरा सकूँ जिन्हें कविता में दिखाया गया है। जिन्दा रहना,स्वाभाविक रूप से श्वास चलते रहना, इस तरह या किसी और तरह अन्य लोगों की देखभाल करना,धर्म में एक दूसरे का मार्ग दर्शन करना,रोना हँसना—ये सब महान आश्चर्य नहीं है तो और क्या है।"

इसलिए प्रथम, क्यों नहीं आप अपनी पुत्री के साथ जीवन के अचरजों के बारे में बातें करते हैं ? आप अपनी आध्यात्मिक संचेतना को उस हद तक ले जाने में समर्थ हो सके हैं जिससे आपकी पुत्री की संवेदनशीलता इस तरह या किसी और तरह गहरे प्रभावित हो।

(धर्म शिक्षा और मानव संसाधन विकास,रिश्शो कोसेइ काई विभाग द्वारा संपादकीय पर्यवेक्षण)

Please give us your comments!

We welcome comments on our e-newsletter Living the Lotus.

Please send us your comments to the following e-mail address.

E-mail: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Director's Column

मेरी नव वर्ष की आकांक्षायें

सब लोगों को नव वर्ष की शुभ कामनायें ! नव वर्ष का प्रारंभ हो गया है। जब नव वर्ष आता है, हम नयी डायरी और नये कैलेंडर के साथ अनुभव करते हैं कि हमारा दिल दिमाग भी तरोताजा है। आप किस तरह का जीवन चाहते है ? अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के उदेश्य से, आपका इस वर्ष के लिए क्या प्रोग्राम है ? नया वर्ष इन सारे प्रश्नों पर विचार विमर्श का अद्‌भूत अवसर देता है।

सारी घटनायें मेरे लिए बुद्ध का मूल्यवान् पूर्व-संदेश है : यह है कि कैसे हम पुण्डरीकसूत्र के अनुसार संसार को देखते है। इस खूबसूरत पृथ्वी पर आसुओं और खून का बहाया जाना,मेरे आलसी मन को ठीक मौके पर जगा दिया है। उन नेताओं का लोकिप्रिय समर्थन, जो"मेरा देशहित प्रथम"की वकालत करते हैं, विश्व में परस्पर- निर्भरता की वास्विकता के प्रति हमारे अज्ञान को ढक लेता है।

नए साल की शुरुआत में, मैं अपने जीवन की तीन प्रतिबद्धताओं का नवीकरण करना चाहता हूँ।1) विश्व स्तर पर बौद्ध धर्म में भागीदारी; 2) जापान को सच्चे बोधिसत्त्वों के देश के रूप के विकास में सक्रिय सहयोग; 3) स्वयं बुद्ध के मार्ग पर चलना। इन प्रतिबद्धताओं का अनुशरण करते हुए मेरी कामना है कि संसार के सभी लोगों को सुख शान्ति में देखूँ। मैं आप सब के साथ इस वर्ष भी मार्ग पर चलते रहने का इच्छुक हूँ !

रिश्शो कोसेइ काइ अन्तरराष्ट्रीय बिभाग निर्देशक
शोको मिजुतानी

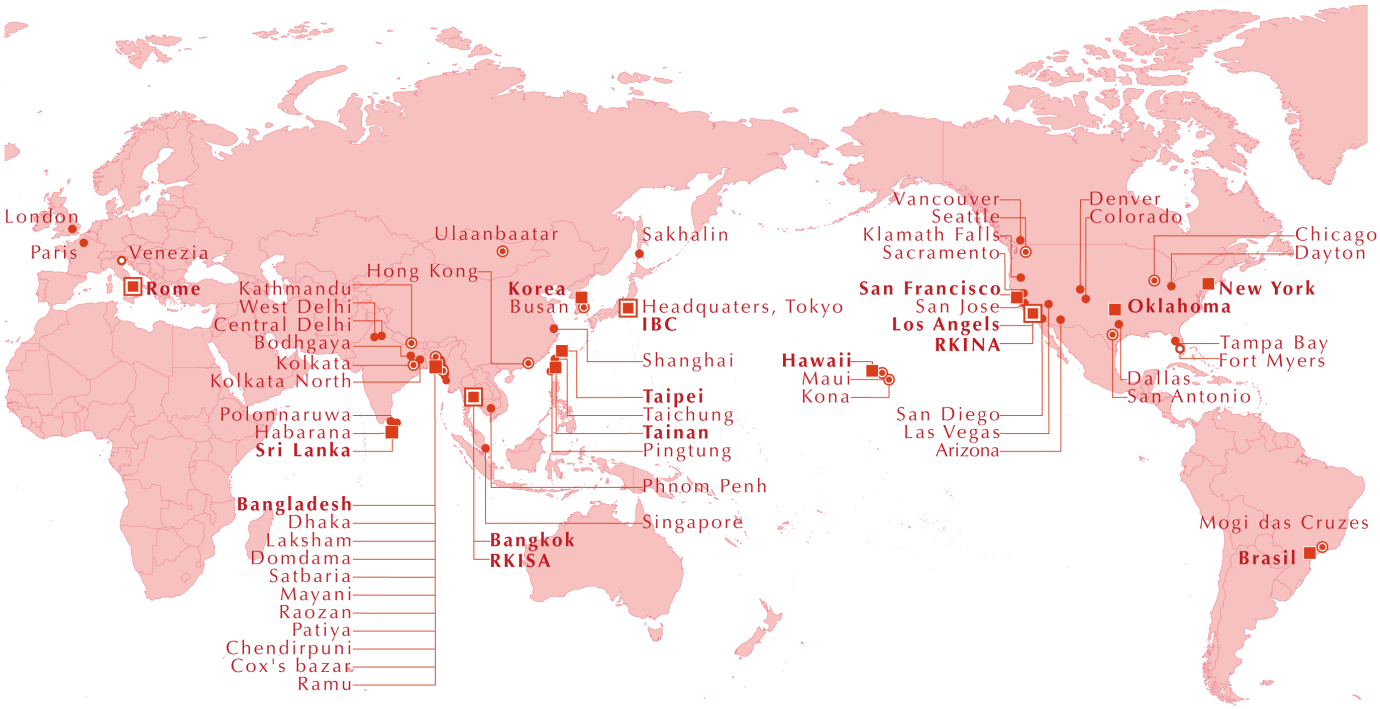

RISSHO KOSEI-KAI INTERNATIONAL BRANCHES

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers 2017

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 *Fax:* 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 *Fax:* 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http:// www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 *Fax:* 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd.Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 *Fax:* 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 *Fax:* 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 *Fax:* 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 *Fax:* 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 *Fax:* 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 *Fax:* 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel : 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/˜rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls
1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver
1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Risho Kossei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 *Fax:* 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung
No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 *Fax:* 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 *Fax:* 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 *Fax:* 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 *Fax:* 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,

Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK

Rissho Kosei-kai of Venezia
Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris
86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

International Buddhist Congregation (IBC)
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax*: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi
66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka
House#408/8, Road#07(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani
Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya
Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama
Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar
Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria
Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham
Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan
West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni
Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka
382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Rissho Kosei-kai of Habarana
151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Other Groups

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai